Publication : Samachar Jagat
Edition : Jaipur

Date : Tuesday, 19th November, 2013

इंडिया फर्स्ट ने पूरे किए चार साल

मुम्बई। इण्डिया फर्स्ट ने भारतीय बीमा उद्योग में अपने चौथे साल को भी सफलता पूर्वक पूरा कर लिया है। 475 करोड़ रुपए की शेयर पूंजी के साथ, इण्डिया फर्स्ट आज 5000 से ज़्यादा बैंक शाखाओं के माध्यम से देश के 1000 से ज़्यादा शहरों एवं नगरों में अपनी सशक्त मौजूदगी बना चुकी है। 16 नवम्बर 2009 में अपनी गतिविधियों की शुरुआत करने के बाद, कम्पनी ने ऐसे साधारण एवं किफायती उत्पादों को पेश किया है; जो आम आदमी के लिए समझने में आसान हैं और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करते हैं। इण्डिया फर्स्ट लाइफ इन्श्योरेन्स के प्रबन्ध निदेशक डॉ. पी नन्दगोपाल के अनुसार इण्डिया फर्स्ट में पिछले चार सालों के दौरान हमारी यात्रा बेहद चुनौतीपूर्ण किंतु उत्साहजनक रही है। हमें गर्व है कि हमारे नाम के अनुसार हमने हमेशा से उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी है।

अत्याधुनिक प्रोद्योगिकी के इस्तेमाल के साथ हम हमारे हितधारकों को उत्कृष्ट सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर रहें हैं। देश में आर्थिक संकट एवं बीमा उद्योग में मौजूदा बदलावों के बावजूद कम्पनी ने वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए 34 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की है। इस साल के दौरान कम्पनी ने 1.74 मिलियन से ज़्यादा जीवन बीमा किए हैं। जहां एक ओर नए बिजनेस प्रीमियम के लिए कम्पनी का परिचालन व्यय 16 फीसदी रहा है, वहीं दूसरी ओर यह जोखिम को समायोजित करते हुए अपने उपभोक्ताओं को बेहतर रिटर्न प्रदान करती आई है। 5000 करोड़ रुपए के फंड के साथ, कम्पनी ने 200 से अधिक कोरपोरेट उपभोक्ताओं के साथ कोरपोरेट बिजनेस सेगमेन्ट में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

A Joint Venture of Bank of Baroda, Legal & General, Andhra Bank